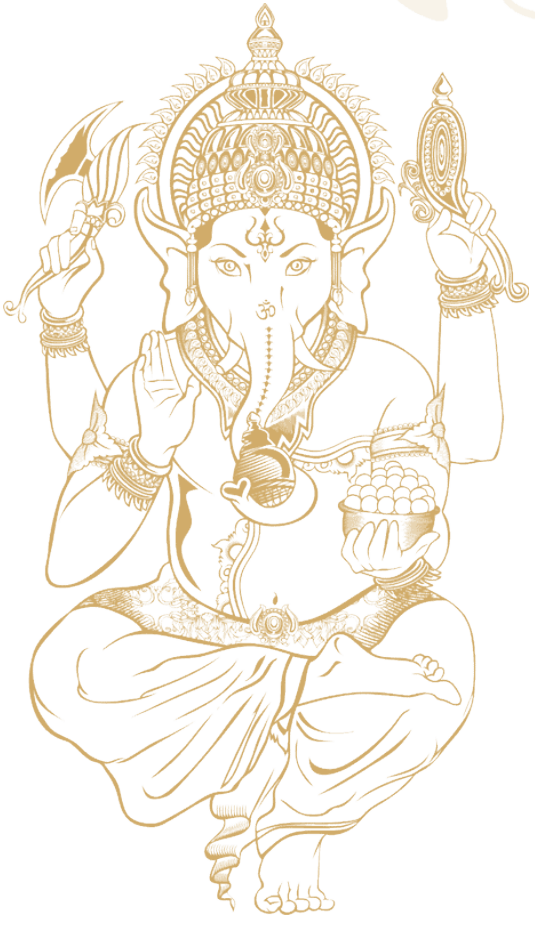

rahul dixit

09 Feb 1988

02:00 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/1988**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	18:02:17 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:49:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	23:04:27 घंटे
सूर्योदय	06:47:05 घंटे
सूर्यास्त	18:01:58 घंटे
दिनमान	11:14:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:06:42 मकर
लग्न के अंश	03:21:53 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:21:53	334:40:10	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मक	26:06:42	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	07:14:52	12:29:46	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	27:30:42	00:40:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध	व	अ	कुंभ	00:03:05	01:05:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	01:00:23	00:09:44	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	06:04:58	01:11:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			धनु	05:54:21	00:05:21	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	29:48:02	00:01:30	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	29:48:02	00:01:30	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	06:04:10	00:02:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	15:29:01	00:01:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	18:53:06	00:00:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	21:13:45	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:30

लग्न-चलित

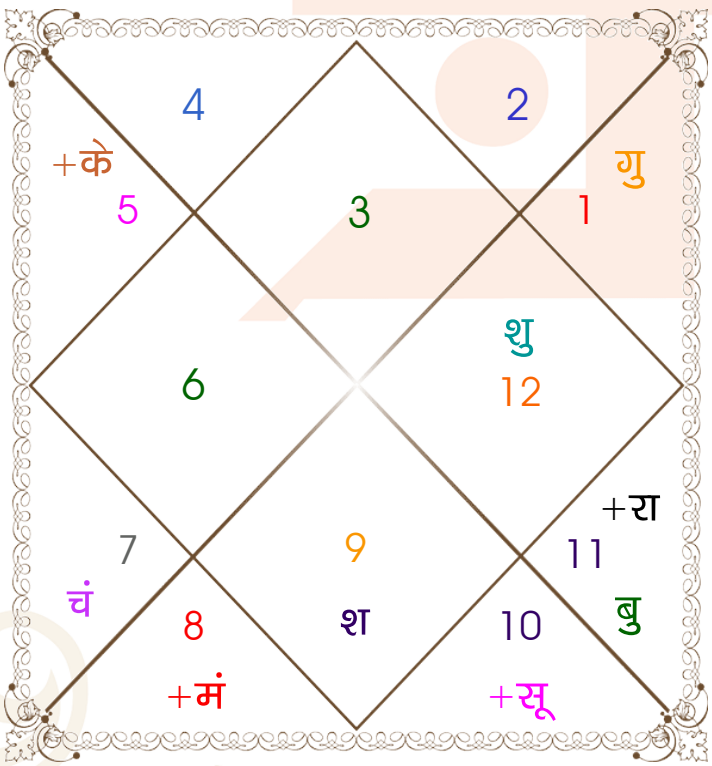

चन्द्र कुंडली

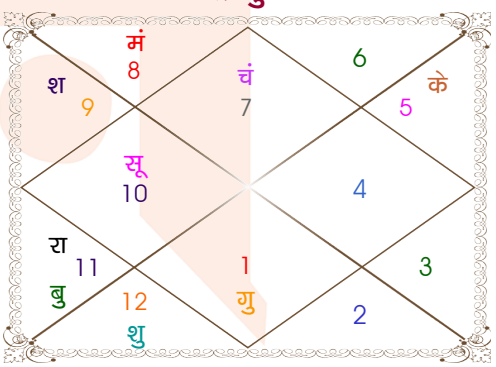

नवमांश कुंडली

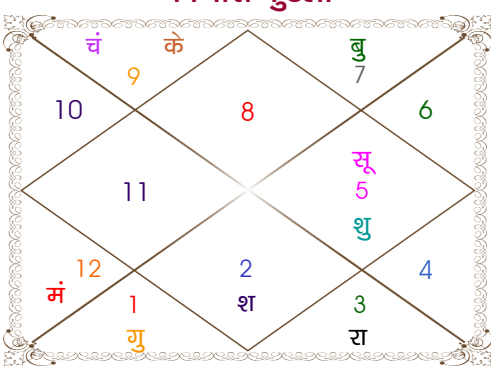

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 2 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/02/1988		28/04/2005		28/04/2021		28/04/2040		28/04/2057	
28/04/2005		28/04/2021		28/04/2040		28/04/2057		28/04/2064	
राहु	09/01/1990	गुरु	16/06/2007	शनि	01/05/2024	बुध	24/09/2042	केतु	24/09/2057
गुरु	03/06/1992	शनि	27/12/2009	बुध	09/01/2027	केतु	22/09/2043	शुक्र	24/11/2058
शनि	10/04/1995	बुध	03/04/2012	केतु	18/02/2028	शुक्र	22/07/2046	सूर्य	01/04/2059
बुध	28/10/1997	केतु	10/03/2013	शुक्र	19/04/2031	सूर्य	29/05/2047	चंद्र	31/10/2059
केतु	15/11/1998	शुक्र	09/11/2015	सूर्य	31/03/2032	चंद्र	27/10/2048	मंगल	28/03/2060
शुक्र	15/11/2001	सूर्य	27/08/2016	चंद्र	31/10/2033	मंगल	25/10/2049	राहु	16/04/2061
सूर्य	10/10/2002	चंद्र	27/12/2017	मंगल	09/12/2034	राहु	13/05/2052	गुरु	23/03/2062
चंद्र	09/04/2004	मंगल	03/12/2018	राहु	15/10/2037	गुरु	19/08/2054	शनि	02/05/2063
मंगल	28/04/2005	राहु	28/04/2021	गुरु	28/04/2040	शनि	28/04/2057	बुध	28/04/2064

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/04/2064		28/04/2084		28/04/2090		29/04/2100		29/04/2107	
28/04/2084		28/04/2090		29/04/2100		29/04/2107		00/00/0000	
शुक्र	28/08/2067	सूर्य	15/08/2084	चंद्र	27/02/2091	मंगल	25/09/2100	राहु	10/02/2108
सूर्य	27/08/2068	चंद्र	14/02/2085	मंगल	28/09/2091	राहु	13/10/2101		00/00/0000
चंद्र	28/04/2070	मंगल	22/06/2085	राहु	29/03/2093	गुरु	19/09/2102		00/00/0000
मंगल	28/06/2071	राहु	17/05/2086	गुरु	29/07/2094	शनि	29/10/2103		00/00/0000
राहु	28/06/2074	गुरु	05/03/2087	शनि	27/02/2096	बुध	25/10/2104		00/00/0000
गुरु	26/02/2077	शनि	15/02/2088	बुध	28/07/2097	केतु	23/03/2105		00/00/0000
शनि	28/04/2080	बुध	21/12/2088	केतु	26/02/2098	शुक्र	24/05/2106		00/00/0000
बुध	27/02/2083	केतु	28/04/2089	शुक्र	28/10/2099	सूर्य	28/09/2106		00/00/0000
केतु	28/04/2084	शुक्र	28/04/2090	सूर्य	29/04/2100	चंद्र	29/04/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।